अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : नवम्बर/दिसम्बर 2018

परीक्षा का नाम : मध्यमा पूर्ण

विषय : तबला पखावज

दि. 11/11/2018 समय : दोपहर 2 से 5 **कुल अंक : 100**

सूचनाएँ : (१) **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है।
(२) अन्य प्रश्नों मे से कोई चार प्रश्न हल कीजिए।
(३) कुल **पाँच** प्रश्न हल कीजिए।
(४) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र. 1. लिपिबध्द कीजिए (कोई दो) :- **(2×10=20)**

(अ) तीनताल/आदिताल मे एक फर्माईशी चक्रदार।

(ब) रूपक/तेवरा ताल की तिगुन और चौगुन (पं. पलुस्कर तालिपी में)

(क) झपताल/सुलताल मे एक रेला उस के दो पलटे और तिहाई।

प्र. 2. तबला/पखावज के किसी दो घरानों की विस्तृत जानकारी सोदाहरण लिखे। **(10+10=20)**

प्र. 3. निम्नलिखीत गायन शैलियो की जानकारी देकर उनके-साथ बजनेवाले प्रत्येकी एक-एक तालों के ठेके पं. पलुस्कर तालिपी में लिपीबध्द करे। (किन्ही दो) **(10+10=20)**

(1) धृपद

(2) धमार

(3) गझल

(4) टप्पा

प्र. 4. लयकारीयों का गणित समझाकर निम्नलिखित लयकारीया एकही आवर्तन मे लिखकर समपर पहुचें (कोई चार) :- **(4×5=20)**

(1) तीनताल की बिआड।

(2) धमार की आड।

(3) दिपचंदी / तेवरा तिगुन।

(4) चौताल की कुआड।

(5) झपताल / सुलताल की कुआड।

प्र. 5. निम्नलिखीत वादकों का जीवन-परिचय तथा उनके-सांगीतीक योगदान के बारे में लिखिए। (कोई दो) **(10+10=20)**

(1) उस्ताद अहमदजान थिरकवाँ

(2) उस्ताद अमिरहुसेन खाँ

(3) पं. कुदऊसिंह

(4) स्वामी पागलदास

प्र. 6. सोदाहरण परिभाषा लिखिए। (कोई चार) :- **(4×5=20)**

(1) आमद

(2) त्रिपल्ली

(3) गतकायदा

(4) कमाली चक्रदार

(5) रेला.

प्र. 7. तबला अथवा पखावज वाद्य के उगम से लेकर वर्तमान काल तक उस मे आये परिवर्तन की चर्चा करें। **(20)**